केशव=हे कृष्ण; **स्थितधीः**=कृष्णभावना में स्थिरबुद्धि; **किम्**=किस प्रकार; **प्रभाषेत** =बोलता है; **किम्**=किस प्रकार; **आसीत**=रहता है; **व्रजेत**=चलता है; **किम्**=कैसे।

अनुवाद

अर्जुन ने कहा, प्रभो! कृष्णभावनाभावित स्थिरबुद्धि पुरुष के क्या लक्षण हैं, वह किस प्रकार बोलता है, उसकी भाषा क्या होती है, तथा वह किस प्रकार बैठता और चलता है।।५४।।

तात्पर्य

प्रत्येक मनुष्य अपनी स्थिति के अनुरूप लक्षणों से युक्त रहता है। कृष्णभावनाभावित भक्त का भी अपना विशिष्ट स्वभाव, आलाप, गमन, चिन्तन, अनुभव आदि होता है। धनवान् की धनाढ्यता का, रोगी के रोग का तथा विद्वान् की विद्वत्ता का परिचय उनके लक्षणों से मिलता है। इसी प्रकार कृष्णभावनाभावित भक्त भी नाना व्यवहारों में विशिष्ट लक्षणों से युक्त रहते हैं। भगवद्गीता में इन लक्षणों का ज्ञान उपलब्ध है। कृष्णभक्त किस प्रकार बोलता है, यह सबसे अधिक महत्त्व रखता है, क्योंकि वाणी मनुष्य का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण गुण है। कहा जाता है कि मूर्ख के न बोलने तक ही उसे पहचाना नहीं जाता। उसके बोलते ही उसका यथार्थ स्वरूप प्रकट हो जाता है। कृष्णभावनानिष्ठ पुरुष का सर्वप्रधान लक्षण यह है कि वह केवल श्रीकृष्ण के सम्बन्ध में वार्तालाप करता है। इससे उसमें वे सब लक्षण अपने-आप प्रकट हो जाते हैं, जिनका आगे उल्लेख है।

19.2

श्रीभगवानुवाच।
प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।।५५।।

श्रीभगवान् उवाच=श्रीभगवान् ने कहा; **प्रजहाति**=त्याग देता है; **यदा**=जिस काल में; **कामान्**=विषय वासना को; **सर्वान्**=सम्पूर्ण रूप से; **पार्थ**=हे पार्थ (अर्जुन); **मनोगतान्**=मनमानी; **आत्मनि**=आत्मतत्त्व में; **एव**=ही; **आत्मना**=शुद्ध चित्त के द्वारा; **तुष्टः**=सन्तुष्ट रहता है; **स्थितप्रज्ञः**=स्थिर मति वाला; **तदा**=उस समय; **उच्यते**=कहा जाता है।

अनुवाद

मंगलमय श्रीभगवान् ने कहा, हे पार्थ! जिस काल में यह जीव मन से उत्पन्न विषय वासना को सम्पूर्ण रूप से त्यागकर चित्त द्वारा आत्मा में ही सन्तुष्ट रहता है, उस समय इसे स्थिरबुद्धि कहा जाता है।।५५।।

तात्पर्य

श्रीमद्भागवत द्वारा प्रमाणित है कि पूर्णरूप से कृष्णभावनाभावित भगवद्भक्तिनिष्ठ पुरुष में महर्षियों के योग्य सब सद्गुण निवास करते हैं। इसके विपरीत, भक्तिविहीन में कोई सद्गुण नहीं होता, क्योंकि वह मनोधर्म में ही लगा रहता है।